

न्यायालय अन्तर्गत अनुमण्डल पदाधिकारी, राजमहल।

आर०ई० नं० २७/२०१४-१६

आवेदक- रामु साह

पता

विपक्षी- रामु साह

आवेदक

23-12-17

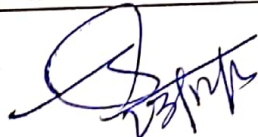
आवेदक द्वारा दिनांक 06.01.2016 को दायित्व आवेदन पत्र के अयोजन करने एवं उनके विद्वान अधिवक्ता को सुनने से प्रतीत होता है कि विपक्षी के द्वारा आवेदक की जमीन को आवेदक रूप से देखल कर लिया है, जिसे उच्छेद करना चाहता है। आवेदक द्वारा दायित्व आवेदन पत्र से संतुष्ट होकर वाद की कार्यवाही प्रारम्भ करने हुए विपक्षी को नोटिसा निर्गत कर कारण पृच्छा की मांग की गई एवं दायित्व आवेदन पत्र में अंकित बिन्दुओं की जाँच हेतु अंचल अधिकारी, राजमहल को भेजा गया।

विवादित भूमि का विवरण

गौजा	ज०न०	दाग न०	रकबा
खुटहरी	65	623	03 बीघा 02 धूर

आवेदक सुनवाई की तिथि को अनुपस्थित। विपक्षी के विद्वान अधिवक्ता को सुना। आवेदक अपने आवेदन पत्र के माध्यम से सूचित किया है कि मौजा खुटहरी के ज०न० 65 दाग न० 623 रकबा 03 बीघा 02 धूर जमीन बेनी मंडल एवं लोचन मंडल पिता मानिक मंडल, गोखूल मंडल, गौर मंडल पिता दिबु मंडल के नाम से खतियान में दर्ज है। दाग न० 623 के देखल कॉलम में लोचन मंडल के नाम से दर्ज है जो आवेदक के दादा थे। उक्त कार्यवाही वाली जमीन का लगान खतियानी रैयत लोचन मंडल एवं उनके पिता के द्वारा दिया जाता था। पिता के मृत्यु के बाद आवेदक स्वयं लगान अदा कर लगान रसीद प्राप्त करते आ रहे हैं। विपक्षी का दाग न० 623 से कोई सरोकार नहीं है। कार्यवाही वाली जमीन किसम वाली कहके खतियान में दर्ज है जो वर्तमान में धानी के रूप में परिवर्तित कर दिया गया है। विपक्षी बाहूबली है। वे कार्यवाही वाली भूमि को अवैध रूप से देखल कर लिये हैं। जिसे खाली करने के लिए कहने पर मारपीट पर उतार हो जाते हैं। अतएव मौजा खुटहरी ज०न० 65 दाग न० 623 रकबा 03 बीघा 02 धूर जमीन से विपक्षी को संधाल परगना अधिनियम 1949 की धारा 42 के अधीन विपक्षी को उच्छेद करने की प्रार्थना किया है।

विपक्षी के विद्वान अधिवक्ता का कहना है कि विपक्षी कानून को मानने वाला शांतिप्रिय व्यक्ति है। आवेदक के द्वारा लाया गया वाद चलने लायक नहीं है। आवेदक एवं विपक्षी एक ही खतियानी रैयत के वारिसान है। ऐसी स्थिति में संधाल परगना काश्तकारी अधिनियम 42 के अधीन कार्यवाही नहीं चल सकता है। आवेदक लोचन मंडल एवं विपक्षी गौर मंडल के वारिसान है। ऐसी स्थिति में एक ही वंशज के उपर उच्छेदी की कार्यवाही नहीं चल सकता है आवेदक को यदि बंटन कराना है तो सक्षम न्यायालय में जायें। इस वाद के माध्यम से न्यायालय का बहुमूल्य समय बर्बाद करने पर तुला हुआ है। विपक्षी कार्यवाही वाली जमीन पोषपूत्र के आधार पर प्राप्त किया है। तथा उक्त जमीन पर कृषि कार्य करते आ रहे हैं। उक्त जमीन को खेती योग्य बनाने के लिये विपक्षी काफी रुपया खर्च किये हैं जबकि आवेदक का कोई सहयोग नहीं रहा है। विपक्षी एक विकलांग व्यक्ति है जो छड़ी के सहारे चलते फिरते हैं। इसलिए उनका यह कहना है कि विपक्षी बाहूबली है, कहना गलत है। यदि वे खतियानी रैयत की जमीन का बंटवारा चाहते हैं तो वे सक्षम न्यायालय में जायें। इस वाद की कार्यवाही समाप्त



करने की प्रार्थना किया है।

अंचल अधिकारी, राजमहल ने अपने पत्र सं० 919/रा० दिनांक 20/11/2015 के द्वारा प्रतिवेदित किया है कि मौजा खुटहरी ज०न० 65 बेनी मंडल - गौर मंडल, गौर मंडल पिता दिनु मंडल लोचन मंडल पिता मानिक मंडल जाति सुढी सा० के नाम से खतियान में दर्ज है। दाग न० 623 के दखल कॉलम में लोचन मंडल के से दर्ज है। आवेदक को वंशावली के आधार पर मौजा खुटहरी ज०न० 65 दाग न० 623 रकवा 03 बीघा 01 कट्टा 13 धूर में से 15 कट्टा 08 धूर जमीन हिस्सा बनता है लेकिन आवेदक के द्वारा 01 कट्टा 16 धूर जमीन का दावा किया है। आवेदक एवं आवेदक के पिता के द्वारा दिनांक 10.04.1970 के द्वारा अनुमानित मुल्य 600 रुपया के द्वारा लेख्यकारी इंशान चन्द्र साहा पिता लोचन साहा सा० गोसाईगाँव को एकशरनामा के द्वारा मौजा खुटहरी ज०न० 65 दाग न० 620 रकवा 16 कट्टा 07 धूर, दाग न० 621 रकवा 08 कट्टा 09 धूर एवं दाग न० 627 रकवा 01 कट्टा 04 धूर कुल रकवा 01 बीघा 18 कट्टा 16 धूर जमीन अनिबंधित केवाला पर इंशान चन्द्र साहा का हस्ताक्षर दर्शाया गया है जो जाँच प्रतिवेदन के साथ अनिबंधित केवाल एवं वंशावली संलग्न है से संबंधित जाँच प्रतिवेदन प्रेषित किया है।

उभय पक्षों के विद्वान अधिवक्ताओं द्वारा निम्न कागजात दाखिल किया गया है।
आवेदक के विद्वान अधिवक्ता द्वारा दाखिल कागजात निम्न प्रकार है।

1. मौजा खुटहरी ज०न० 65 बेनी मंडल व गोखुल मंडल व गउर मंडल/लोचन मंडल पिता मानिक मंडल व गोखुल मंडल व गोयन मंडल/लोचन मंडल जाति सुढी सा०- गोसाईगाँव के नाम से खतियान की सच्ची प्रतिलिपि की छाया प्रति एवं उनका हिन्दी रूपान्तर।
2. मौजा खुटहरी ज०न० 65 रकवा 13 बीघा 05 कट्टा 13 धूर जमीन की प्रधानी खजाना रसीद की छाया प्रति। जिसमें नाम देहिन्दा चामु साहा, राजकुमार साहा दर्ज है।

1. मौजा खुटहरी ज०न० 65 रकवा 01 बीघा 18 कट्टा 16 धूर जमीन की प्रधानी लगान रसीद वर्ष 2014-15 एवं 16-17 की छाया प्रति जिसमें पोषपुत्र के लिए अंकित है। तथा नाम अदाकर्ता साधु साहा दर्ज है।

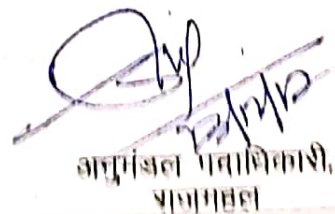
विपक्षी के विद्वान अधिवक्ता को सुनने एवं आवेदक द्वारा दाखिल आवेदन के अवलोकन से निम्न तथ्य स्पष्ट है।

1. मौजा खुटहरी जमाबंदी न० 65 में खतियानी रैयत बेनी मंडल, गौर मंडल, गोकुल मंडल पिता दिनु मंडल लोचन मंडल पिता मानिक मंडल के नाम से दर्ज है। आवेदक लोचन मंडल के वंशज है तथा विपक्षी गौर मंडल खतियानी रैयत के वंशज है।
2. उभय पक्ष संयुक्त खतियानी रैयत के वारिसान होने के कारण यह मुख्य रूप से बंटन आदि से संबंधित मामले प्रतीत होते हैं। जिसका नीपटारा इस वाद के माध्यम से संभव नहीं है।

उपर्युक्त तथ्यों पर सम्यक विचारोपारांत यह स्पष्ट है कि उभय पक्ष मौजा खुटहरी ज०न० 65 के खतियानी रैयत के वारिसान है। एक ही खतियानी रैयत के मध्य इस वाद के माध्यम से उच्छेदी की कार्यवाही नहीं हो सकती है। यह स्वतव से जुड़ा मामला है। आवेदक यदि चाहे तो वे सक्षम न्यायालय में जा सकते हैं इस निदेश के साथ वाद की कार्यवाही (Prop) समाप्त किया जाता है।

देखने के लिए संशोधित


अंचल अधिकारी,
राजमहल


अंचल अधिकारी,
राजमहल

D. Seena
For the
22/11/2015